

"नज़रोंकाधुंधलापन: क्याकहतीहैआपकीआंखोंकीसेहत?"

क्याआपकीनजरकभी-कभीअचानकधुंधलीहोजातीहै, जैसेकिसीनेकैमरेकाफोकसबिगाड़दियाहो? धुंधलीदृष्टिएकआमसमस्याहै, लेकिनकईबारयहकिसीगंभीरआंखोंकीबीमारीकासंकेतभीहोसकतीहै।



इसब्लॉगमेंहमआपकोबताएंगेकिदृष्टिधुंधलीक्योंहोतीहै, इसकेआमकारणक्याहैं, औरकबडॉक्टरसेमिलनाजरूरीहोताहै।

1. रिफ्रेक्टिवएरर (सबसेआमकारण)



अगरआपकीनजरधीरे-धीरेकमजोरहोरहीहै, खासकरपढ़तेसमययादूरकीचीजेंदेखनेमेंदिक्कतहोरहीहै, तोइसकाकारणरिफ्रेक्टिवएररहोसकताहै:

- **मायोपिया (निकटदृष्टिदोष)** – पासकीचीजेंसाफदिखतीहैं, लेकिनदूरकीचीजेंधुंधली।
- **हाइपरोपिया (दूरदृष्टिदोष)** – दूरकीचीजेंज्यादासाफदिखतीहैं, लेकिनपासकीनहीं।
- **अस्टिग्मेटिज़्म** – सभीदूरीकीचीजेंथोड़ीटेढ़ीयाधुंधलीदिखसकतीहैं।
- **प्रेसबायोपिया** – 40 कीउम्रकेबादपासकीचीजेंपढ़नेमेंकठिनाई (उम्रसेजुड़ीसमस्या)।



चश्मा, कॉन्टैक्ट लेंस या लेज़र सर्जरी से इसका इलाज संभव है।

2. आंखों का सूखापन (ड्राय आई)



आपकी आंखों की सतह अगर सूखी हो जाती है, तो दृष्टि धुंधली हो सकती है, खासकर लंबे समय तक स्क्रीन देखने के बाद।

लक्षण: आंखों में जलन, लालपन, बार-बार पानी आना, नजर का बार-बार साफ और धुंधला होना।

□ आई ड्रॉप्स (आर्टिफिशियल टियर्स) मदद कर सकते हैं। ज्यादा दिक्कत हो तो जांच कराना जरूरी है।

3. मोतियाबिंद (Cataract)

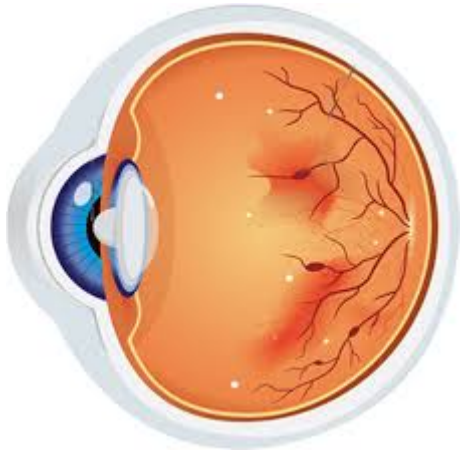


उम्र के साथ आंखों के अंदर का प्राकृतिक लेंस धीरे-धीरे धुंधला हो जाता है, जिससे मोतियाबिंद होता है।

लक्षण: रात में लाइट से परेशानी, ज्यादा रोशनी में पढ़ना, रंग फीके लगना।

- मोतिया बिंद की सर्जरी आज कल बहुत सुरक्षित और असरदार होती है।

□ 4. डायबिटिक रेटिनोपैथी



डायबिटीज के मरीजों में शुगर लेवल ज्यादा होने से रेटिना की रक्त नलिकाएं प्रभावित होती हैं, जिससे नजर धुंधली हो सकती है।

लक्षण: नजर का बार-बार बदलना, तैरते धब्बे (floaters), काले धब्बे दिखना।

- □ डायबिटीज वालों को हर साल आंखों की जांच करानी चाहिए—even अगर कोई लक्षण नहीं।

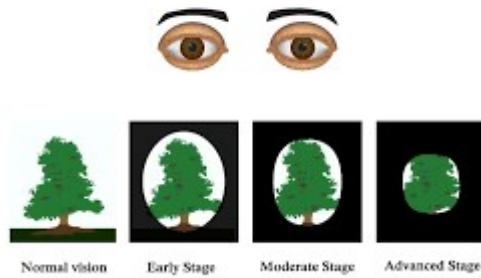
5. ग्लूकोमा (Glaucoma): आंखों का खामोश दुश्मन

ग्लूकोमा क्या है?

ग्लूकोमा एक ऐसी आंखों की बीमारी है जिसमें आंख के अंदर दबाव (Intraocular Pressure - IOP) बढ़ जाता है, जिससे ऑप्टिक नर्व (दृष्टि तंत्रिका) को नुकसान पहुँचता है। यह नुकसान धीरे-धीरे आपकी दृष्टि को प्रभावित करता है और समय रहते इलाज न हो तो अंधापन भी हो सकता है।

- ग्लूकोमा (काला पानी)

Visual impairment in Glaucoma



ग्लूकोमाको 'साइलेंट थीफ ऑफ विज़न' क्यों कहा जाता है?

ग्लूकोमा शुरूआतमें कोई लक्षण नहीं दिखाता। जब तक व्यक्ति को अहसास होता है, तब तक काफी दृष्टि जा चुकी होती है। इसलिए इसे "साइलेंट थीफ ऑफ विज़न" कहा जाता है।

ग्लूकोमा के प्रकार

1. ओपन एंगल ग्लूकोमा (Open-Angle Glaucoma)
2. एंगल-क्लोजर ग्लूकोमा (Angle-Closure Glaucoma)
3. जन्मजात ग्लूकोमा (Congenital Glaucoma)
4. सैकेंडरी ग्लूकोमा (Secondary Glaucoma)
5. मैक्युलर डिजेनेरेशन (रेटिना से जुड़ी बीमारी)

6. मैक्युलर डिजेनेरेशन (Macular Degeneration): उम्र के साथ आने वाली दृष्टिकी समस्या

□ मैक्युला क्या होता है?

मैक्कुला आँख के पीछे रेटिना (Retina) का एक छोटा सा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, जो हमें स्पष्ट और केंद्रित दृष्टि देता है। जब यह हिस्सा खराब होने लगता है, तो इसे मैक्कुलर डिजेनेरेशन कहा जाता है।

□ यह समस्या किन्हें हो सकती है?

यह आमतौर पर 50 वर्ष की उम्र के बाद होती है, इसलिए इसे एज-रिलेटेड मैक्युलर डिजेनेरेशन (Age-Related Macular Degeneration - AMD) कहा जाता है।

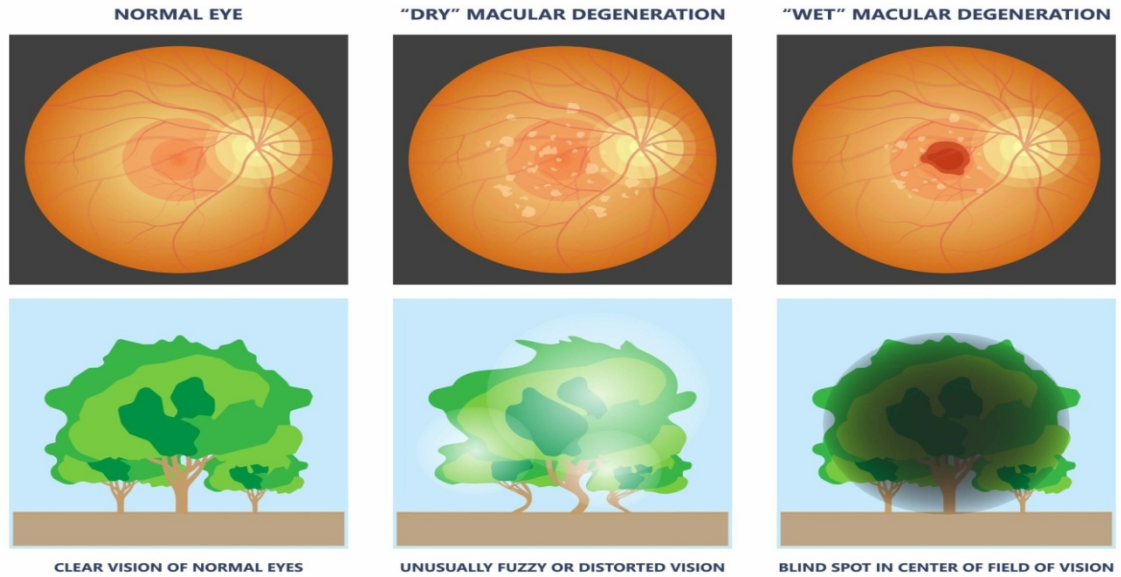
□ मैक्युलर डिजेनेरेशन के प्रकार

1. ड्राईटाइप (Dry AMD)

- सबसे आम प्रकार (लगभग 80–90%)
- मै चलाधीरे-धीरे पतला होता है
- दृष्टिधीरे-धीरे कम होती है

2. वेटटाइप (Wet AMD)

- कम आम लेकिन ज्यादा गंभीर
- आँख में असामान्य रक्त नलिकाएं बनती हैं
- तेजी से दृष्टि खोने का खतरा होता है

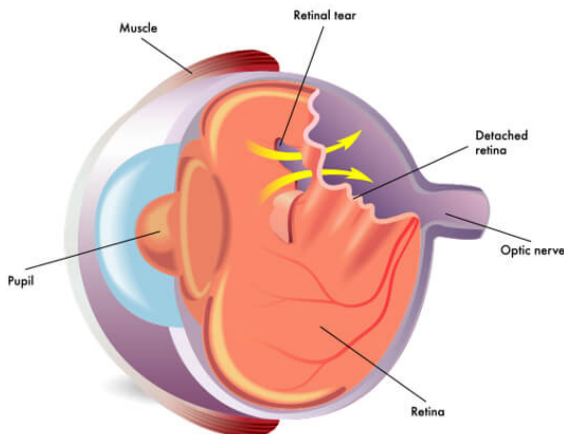


7. आपातकालीन कारण: रेटिना डिटेचमेंट, स्ट्रोक, या ऑप्टिक न्यूराइटिस

अगर नजर अचानक धुंधली हो जाए, एक आंख से दिखाई देना बंद हो जाए, या चमकदार रोशनी दिखे— तो ये गंभीर संकेत हो सकते हैं:

- **रेटिना डिटेचमेंट** – अचानक दिखना बंद होना, झिलमिलाहट या धब्बे दिखना।

TORN AND DETACHED RETINA



- **स्ट्रोक** – कभी-कभी स्ट्रोक का पहला संकेत नजर का धुंधलापन या दोहरी छवि होता है।
- **ऑप्टिकन्यूराइटिस** – ऑप्टिकनस में सूजन, जिससे दर्द और नजर की कमी हो सकती है (अक्सर मल्टीपल स्क्लेरोसिस से जुड़ा होता है)।



□ ऐसे लक्षण होने पर तुरंत आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें।

8. अन्य कारण

- **आंखों का संक्रमण** (जैसे कंजंक्टिवाइटिस या केराटाइटिस)
- **माइग्रेन (सरदर्द)**

✓ कब डॉक्टर से मिलना चाहिए?

आपको आंखों के डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए अगर:

- नजर अचानक धुंधली हो जाए
- रोज़मर्रा के काम करने में दिक्कत हो
- आंखों में दर्द, झिलमिलाहट, तैरते धब्बे या दिखना बंद हो जाए
- डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या आंखों की बीमारी का पारिवारिक इतिहास हो

□ □ □ निष्कर्ष

धुंधली नजर एक आम लक्षण है, लेकिन इससे नजर अंदाज करना खतरनाक हो सकता है। अगर आप समय पर जांच करवाते हैं, तो अधिकतर कारणों का इलाज संभव है और आपकी दृष्टि सुरक्षित रह सकती है।

**कोई सवाल है या जांच करवाना चाहते हैं? हमसे संपर्क करें—
आपकी आंखों की सेहत हमारे लिए महत्वपूर्ण है।**

❑ डॉ. स्नेहलमहाडिक - ओपीडीसमय

❑ आर. डी. गार्डीमेडिकलकॉलेज, उज्जैन
सोमवार | सुबह 9:00 बजेसेदोपहर 1:00 बजेतक

❑ उज्जैनचैरिटेबलट्रस्टहॉस्पिटल, उज्जैन
बुधवारऔरशुक्रवार | सुबह 9:00 बजेसेदोपहर 1:00 बजेतक

❑ अवंतीहॉस्पिटल, उज्जैन
मंगलवारऔरगुरुवार | दोपहर 3:00 बजेसेशाम 5:00 बजेतक

Contact no.- 9359327554